प्रारंभिक स्कूल शिक्षा परीक्षा-2015

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या / No. of Pages in Booklet 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या / No. of Questions in Booklet 150

प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या / Question Paper Booklet No. 20683997

**SUBJECT CODE – 19**

**LS - 61**

विषय / SUBJECT : Rajasthani

परीक्षा दिनांक 27.7.16

**समय : 3.00 घण्टे**
**Time : 3.00 Hours**

**अधिकतम अंक : 300**
**Maximum Marks : 300**

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए ।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल प्वाइंट पेन से गहरा करना है ।
6. OMR उत्तर पत्र इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर पत्र निकाल कर ध्यान से केवल नीले बॉल पॉइंट पेन से विवरण भरें ।
7. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा । (गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है । किसी भी प्रश्न से संबंधित गोले या बबल को खाली छोड़ना गलत उत्तर नहीं माना जायेगा ।)
8. प्रश्न-पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के पॉलिथीन बैग/सील को खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न-पत्र पुस्तिका पर वही प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या अंकित है जो उत्तर पत्रक पर अंकित है । इसमें कोई भिन्नता हो तो वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । ऐसा न करने पर जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी ।
9. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।
10. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत अथवा अपूर्ण रोल नम्बर भरने पर 5 अंक कुल प्राप्तांकों में से काटे जा सकते हैं ।

**चेतावनी** : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विविध नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही विभाग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली विभाग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

## INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **Answer all questions.**
2. **All questions carry equal marks.**
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as **1, 2, 3, 4.** You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using **BLUE BALL POINT PEN.**
6. The OMR Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with blue ball point pen only.
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** (A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question. Leaving all the relevant circles or bubbles of any question blank will not be considered as wrong answer.)
8. **The candidate should ensure that Question Paper Booklet No. of the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same after opening the polythene bag/ seal. In case they are different, a candidate must obtain another Question Paper. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.**
9. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
10. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Sheet. 5 Marks can be deducted for filling wrong or incomplete Roll Number.

***Warning :** If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted. Department may also debar him/her permanently from all future examinations.*

**इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।**
**Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.**

1. जैन संत उद्योतन सूरि रा ग्रन्थ 'कुवलयमाला' मांय कुल किती भाषावां रो उल्लेख मिळै ?

(1) 15

(2) 16

(3) 17

(4) 18

2. डॉ. एल.पी. टेस्सीटोरी राजस्थानी साहित्य रा काल-विभाजन नै किता भागा मांय बांट्यां ?

(1) 2

(2) 3

(3) 4

(4) 5

3. मुनि जिनविजय रै मुजब राजस्थानी भाषा री उत्पति कुणसा अपभ्रंश सूं हुयी ?

(1) सौरसेनी

(2) सौराष्ट्री

(3) मरू-गुर्जरी

(4) मगधी

4. राजस्थानी साहित्य मांय विकास री दीठ सूं 'मरू-गुर्जरी' अपभ्रंश री रचना कुणसी है ?

(1) भरतेश्वर बाहुबलिघोर

(2) अतिचार चौपाई

(3) मृगावती चौपाई

(4) तेजसार रास

5. राजस्थानी भाषा-साहित्य मांय डिंगळ कांई है ?

(1) अेक काव्य-शैली

(2) अेक उपन्यास शैली

(3) अेक कहाणी शैली

(4) अेक निबन्ध शैली

6. डॉ. जार्ज ग्रियर्सन रै मुजब दक्षिणी राजस्थानी री बोली रो नाम कांई है ?

(1) मेवाड़ी

(2) निमाड़ी

(3) खैराड़ी

(4) रांगड़ी

7. मारवाड़ी बोली में किता 'कारक' मान्यां जावै ?

(1) 6

(2) 7

(3) 8

(4) 9

8. मेरवाड़ी बोली रो सम्बंध-बोध है ?

(1) मेवाड़ सूं

(2) मारवाड़ सूं

(3) मेरवाड़ा सूं

(4) माळवा सूं

9. कालीमाल, डांगभाग, राजावाटी अर नागरचाल किण बोली री उप-बोलियां है ?

(1) माळवी

(2) शेखावाटी

(3) हाड़ोती

(4) ढूंढाड़ी

10. किणी सुतंत्र भाषा रै वास्ते कुणसौ तत्त्व जरूरी नीं है ?

(1) व्याकरण

(2) शब्दकोष

(3) साहित्यभण्डार

(4) शैली

11. राजस्थानी भाषा री प्राचीन अर मूळ लिपि कुणसी मानी जावै ?

(1) शारदा

(2) खरोष्ठी

(3) मुड़िया

(4) ब्राह्मी

12. भारतीय संविधान रै मुजब आपाणी 'राजभाषा' री वरतमान लिपि कुणसी है ?

(1) देवनागरी लिपि

(2) गुप्त लिपि

(3) प्राचीन नागरी लिपि

(4) कुटिल लिपि

13. राजस्थानी वरणमाळा मांय स्वर ध्वनियां नै कांई कहयौ जावै ?

(1) कक्कौ

(2) बिलटी

(3) वरणमाला

(4) सुरझाळ

14. राजस्थानी वरणमाळा मांय कुणसी ध्वनि रौ बोलण कै लिखण रौ प्रयोग नीं हुवै ?

(1) ऋ

(2) भ

(3) इ

(4) ण

15. राजस्थानी वरणमाळा री अघोष ध्वनियां कुणसी है ?

(1) त, थ

(2) ग, घ

(3) य, र

(4) भ, म

16. राजस्थानी वरणमाळा री महाप्राण ध्वनि कुणसी है ?

(1) क, ग

(2) च, ज

(3) ख, घ

(4) ल, व

17. राजस्थानी रै 'ळ' वरण री कुणसी ध्वनि है ?

(1) कंठ्य

(2) तालव्य

(3) मुरधन/मूर्धन्य

(4) कंठोष्ठ्य

18. राजस्थानी भाषा में लिंग भेद किता हुवै ?

(1) 2

(2) 3

(3) 4

(4) 5

19. 'मथाणिया री मिरचा जगचावी है ।' इणमें कुणसी संज्ञा है ?

(1) व्यक्तिवाची

(2) भाववाची

(3) जातिवाची

(4) द्रव्यवाची

20. 'टणकाई' सबद कुणसी संज्ञा है ?

(1) जातिवाची

(2) व्यक्तिवाची

(3) भाववाची

(4) समुहवाची

21. लिंग भेद री दीठ सूं कुणसौ सबद फगत पूर्लिग में इज नीं हुवै ?

(1) गाडर

(2) ममोळियौ

(3) पपइयौ

(4) माछर

22. हरि गोपाल नै कहयौ – "थू थारै रस्तै जा ।" इण मांय कुणसौ सर्वनाम है ?

(1) उत्तम पुरुषवाची

(2) मध्य पुरुषवाची

(3) अन्य पुरुषवाची

(4) संबंधवाची

23. विधान अर फळ रै हिसाब सूं क्रिया रा किता भेद मान्यां जावै ?
(1) 2
(2) 3
(3) 4
(4) 5

24. क्रिया संरचना री दीठ सूं क्रिया रा किता भेद मान्यां जावै ?
(1) 2
(2) 1
(3) 3
(4) 4

25. राजस्थानी भाषा रो विसिष्ठ वरण कुणसौ है ?
(1) ल
(2) ळ
(3) ऋ
(4) ष

26. राजस्थानी वरणमाळा में ध्वनियात्मक सबद मान्यौ जावै
(1) क, ख
(2) ड, ढ
(3) प, फ
(4) च, छ

27. 'तलवार' रो परयायवाची सबद कुणसा है ?
(1) करवाळ, चन्द्रहास
(2) विसिख, अणियाल
(3) कोदंड, दूधारी
(4) पिनाक, नाराच

28. पंखाळ, केकांण, हेवर, सैंधव किण रा परयायवाची सबद है ?
(1) ऊँट
(2) हाथी
(3) घोड़ो
(4) गधा

29. सूरज रो परयायवाची सबद कुणसो नीं है ?
(1) हंस
(2) पतंग
(3) भाण
(4) अबंक

30. बादळ रा परयायवाची सबद कुणसो है ?
(1) कळापी, खिणदा
(2) राकेस, व्यामेस
(3) बळाहक, अभ्र
(4) सायक, सरासण

31. वैण सगाई बाळिया, पैखिजै रस पोस
वीर हुतासण बोल में, दीखै हेक न दोस ।।
इण दूहा रा रचनाकार कुण है ?
(1) दुरसा आढा
(2) सूरजमल्ल मिसण
(3) बांकीदास आसिया
(4) ईसरदास बारहठ

32. वयण – सगाई रा खासतौर सूं किता भेद मान्यां जावै ?
(1) 2
(2) 3
(3) 4
(4) 5

33. गरज किया सूं वागरी, कदै न तजै सिकार
रटै हरि गुण वारता, कटै कळैस विकार ।।
इण दूहा मांय कुणसी वैण-सगाई है ?
(1) आदिमेळ
(2) अन्तमेळ
(3) मध्यमेळ
(4) समीपमेळ

34. सोरठा छंद में किती मात्रावां हुवै ?
(1) 11, 13, 11, 13
(2) 13, 11, 13, 11
(3) 13, 11, 11, 13
(4) 11, 13, 13, 11

35. राजस्थानी भाषा रो सैं सूं व्हालो छंद कुणसो है ?
(1) कुण्डलियां
(2) तूवेंरी
(3) सोरठो
(4) पांगळो

36. 'बड़ो दूहो' रो दूजो नाम कांई है ?
(1) सोरठियो दूहो
(2) सांकळियो दूहो
(3) तूवेंरी दूहो
(4) लंगड़ो दूहो

37. खोड़ा दूहा रै दूजा अर चौथा चरण में किती मात्रावां हुवै ?
(1) 11, 11
(2) 13, 13
(3) 11, 13
(4) 13, 6

38. छंद शास्त्र में 'यति' रौ अरथ हुवै
(1) चालणौ, दौड़णौ
(2) मुळकणौ, हसणौ
(3) रूकणौ, ठहरणौ
(4) मनावणौ, पहरावणौ

39. छंद शास्त्र में तीन आखरां रा समुह नै कांई कहयौ जावै ?
(1) छंद
(2) गण
(3) अलंकार
(4) चरण

40. छंद शास्त्र में 'सगण' रो रूप मान्यौ जावै
(1) ।।।
(2) ऽऽऽ
(3) ऽ।।
(4) ।।ऽ

41. छंद शास्त्र में लघु अर गुरु रो संकेत लेखन में किण भांत हुवै ?
(1) ।ऽ
(2) ऽ।
(3) ।।
(4) ऽ ऽ

42. काव्य-शास्त्र रै मुजब डिंगळ में किता प्रकार रा काव्यदोष मान्यां जावै ?
(1) 9
(2) 10
(3) 11
(4) 12

43. किणी काव्य में कैई भाषावां रौ परयोग करणां सूं कुणसो काव्य-दोष हुवै ?
(1) अंध
(2) छबकाळ
(3) हीण
(4) निनंग

44. सागर पूछै सफरां, आज रतंबर काह
भारत तणी उमेदिया, खाग झकोळी मांह ।।
इण दूहा मांय कुणसो काव्य-दोष है ?
(1) पांगळो
(2) नाळछेद
(3) अंध
(4) पखतूट

45. काव्य में जिण ठौड़ कोई तयसुदा अरथ नीं निकळै । अरथात – अरथ रो अनरथ हुवण री संभावना बणै तद वो कुणसो काव्य-दोष हुवै ?
(1) निनंग
(2) हीण
(3) अपस
(4) अंध

46. काव्य में पैलां कहीजणवाळी बात नै पच्छै अर पच्छै कहीजणवाळी बात नै पैलां कैवण सूं कुणसो काव्य-दोष हुवै ?
(1) अंध
(2) निनंग
(3) अपस
(4) नाळछेद

47. राजस्थानी काव्य में दध आखरां री सख्यां है
(1) 5
(2) 8
(3) 10
(4) 12

48. नीचै लिख्यां आखरां मांय दध आखर है
(1) क, ग, च, छ
(2) ट, ठ, ड, ढ
(3) य, र, ल, व
(4) ह, ज, ध, र

49. राजस्थानी में सबद-सगती (शब्द-शक्ति) रा किता भेद मान्यां जावै ?
(1) 2
(2) 3
(3) 4
(4) 5

50. 'सबद' रो लोक प्रसिद्ध अरथ कांई है ?
(1) लक्षणक
(2) व्यंजक
(3) व्याच्यारथ
(4) व्यंगारथ

51. डॉ. सीताराम लाळस रै मुजब राजस्थानी वरणमाळ में वरणां री सख्यां है.
(1) 40
(2) 45
(3) 50
(4) 55

52. राजस्थानी भाषा रै व्यंजन नै कांई कहयौ जावै ?
(1) बारहखड़ी
(2) कक्कौ
(3) बिलटी
(4) मुहारणी

53. राजस्थानी भाषा में करम कारक रा चिन्ह कांई है ?
(1) नै, ना, नू
(2) रा, रे, री
(3) सूं, ऊं, ती
(4) मांय, माथै, खूंडै

54. दंताळ, गैबर, मैंगळ, वयंड किण सबद रा परयायवाची सबद है ?
(1) सूर
(2) हाथी
(3) हिरण
(4) ऊँट

55. राजस्थान प्रांत री भाषा – 'राजस्थानी' रै नाम रो सैं सूं पैलां परयोग कुण करियौ ?
(1) डॉ. एल.पी. टेस्सीटोरी
(2) प्रो. नरोत्तम स्वामी
(3) डॉ. जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन
(4) कर्नल जेम्स टॉड

56. राजस्थानी साहित्य रै आदिकालीन काव्य-रूपां री पांत में नीं आवै
(1) रास
(2) पवाड़ा
(3) दवावैत
(4) चौपाई

57. ब्याव में गावणवाळा गीतां नै कांई कहयौ जावै ?

(1) हमचड़ी-हींच

(2) हीयाळी

(3) धवळ

(4) कुलक

58. वज्रसेन सूरि री काव्य-रचना 'भरतेश्वर बाहुबलिघोर' में प्रधान रस है

(1) प्रेम अर सिणगार

(2) रोद्र अर करुण

(3) वीर अर शांत

(4) विभत्स अर हास्य

59. काव्य-रचना 'रा' रणमल्ल छंद' रा रचनाकार कुण है ?

(1) सारमूर्ति

(2) पल्हण

(3) असाइत

(4) श्रीधर व्यास

60. बादर ढाढी री रचना कुणसी है ?

(1) ढोला-मारू

(2) वीरमायण

(3) बिसलदेव रास

(4) विजयपाल रासौ

61. 'हम्मीर रासौ' रा रचनाकार कुण है ?

(1) नल्हसिंह

(2) दलपत विजय

(3) शारंगधर

(4) कवि आसिगु

62. शिवदास गाडण री रचना अचलदास खीची री वचनिका में किण रै बिचाळै हुया जुद्ध रो वरणन है ?

(1) मांडू रा सुल्तान अर अचलदास खीची, गढ़ गागरौण

(2) दिल्ली रा पातशाह अर अचलदास खीची, जालौर

(3) आगरा रा दीवाण अर अचलदास खीची, सीकर

(4) दिल्ली रा बादशाह अर अचलदास खीची, माण्डलगढ़

63. 'बिसलदेव-रासौ' रा रचनाकार कुण है ?

(1) नरपति नाल्ह

(2) नल्लसिंह

(3) नरहरिदास

(4) नेमिनाथ मुनि

64. नीचै लिख्योड़ी रचनावां मांय सूं कुणसी रचना भक्तकवि ईसरदास बारहठ री नीं है ?

(1) हरिरस

(2) देवियाण

(3) गंगालहरी

(4) गरुड़-पुराण

65. कवि दुरसा आढा आपरी काव्य-रचना 'विरुद्ध-छहत्तरी' में किण वीर पुरुष रो गुणगान करियो ?

(1) वीर दुर्गादास राठौड़

(2) महाराणा प्रताप

(3) वीर हम्मीर

(4) वीर अमरसिंह राठौड़

66. कवि पृथ्वीराज राठौड़ री रचना 'वेलिक्रिसण रुकमणि री' में प्रधानरूप सूं कुणसा छंद रौ प्रयोग हुयौ ?

(1) मंदाक्रांता छंद

(2) भुजंगप्रयात छंद

(3) कुण्डलिया छंद

(4) वेलियो छंद

67. कवि पृथ्वीराज राठौड़ रो जलम कद हुयौ ?
(1) संवंत 1606
(2) संवंत 1615
(3) संवंत 1620
(4) संवंत 1625

68. काव्य-रचना 'गोरा-बादिल चरित्र चऊपई' रा रचनाकार कुण है ?
(1) आचार्य माणिक्यचन्द्र सूरि
(2) आचार्य जिनकुशल सूरि
(3) आचार्य हेमरतन सूरि
(4) आचार्य शालिभद्र सूरि

69. रामरासौ रा रचनाकार माधोदास दधवाड़िया रै पिता रो नाम कांई है ?
(1) चूंडोजी
(2) सातमजी
(3) रामोजी
(4) उगमोजी

70. काव्य-रचना 'नागदमण' रा रचनाकार कुण है ?
(1) चांदण खिड़िया
(2) सांदू मालो
(3) वीठू सूजा
(4) सांयाजी झूला

71. भक्त शिरोमणि मीरांबाई रो जलम कद हुयौ ?
(1) वि.स. 1490
(2) वि.स. 1505
(3) वि.स. 1555
(4) वि.स. 1525

72. भक्त शिरोमणि मीरांबाई रै पिता रो नांम कांई है
(1) राव रतनसिंह
(2) राव दूदा
(3) राव वीरमदेव
(4) राव सूजा

73. दादू सम्प्रदाय री पीठ किण ठौड़ है ?
(1) सिंहथल
(2) डीडवाना
(3) नगला
(4) नरैना

74. 'सुख-समाधि' किण संतकवि री रचना है ?
(1) गरीबदास
(2) सुन्दरदास
(3) सुखदास
(4) खेमदास

75. बिश्नोई सम्प्रदाय रा प्रवर्तक संत जाम्भोजी रो जलम किण ठौड़ हुयौ ?
(1) मुकाम
(2) मेड़ता
(3) पीपासर
(4) देसलसर

76. संत जसनाथ जी री समाधि किण ठौड़ है ?
(1) कतरियासर
(2) खेड़ापा
(3) सलेमाबाद
(4) देशनोक

77. साध्वी सहजौबाई किण सम्प्रदाय सूं जुड़ाव राखै ?
(1) लालदासी सम्प्रदाय
(2) चरणदासी सम्प्रदाय
(3) दादूपंथी सम्प्रदाय
(4) रामस्नेही सम्प्रदाय

78. किसना आढा री रचना 'रघुवर जस प्रकास' में वरणित मुख्य विषय कांई है ?
(1) छंद-लक्षण
(2) विरह भाव
(3) वीरत्त्व भाव
(4) सिणगार

79. 'राजिया रा सोरठा' रा रचनाकार कृपाराम खिड़िया रै पिता रो नाम कांई है ?
(1) सुखराम जी
(2) नगराम जी
(3) जगराम जी
(4) सगराम जी

80. मारवाड़ रा महाराजा जसवंतसिंह कांनी सूं लाख-पसाव रो सनमान किणनै मिल्यौ ?
(1) नरहरिदास बारहठ
(2) आईदान गाडण
(3) ईसरदास बारहठ
(4) गाडण पसाइत

81. लाडीजी घूंघटड़ो खोलो म्हाँनै चाव छै ।
ओ पद किण कवि रै जीवण सूं जुड़ियौड़ो है ?
(1) शंकरदान सामौर
(2) सूरजमल्ल मिसण
(3) सिंढायच दयालदास
(4) गिरधर आशिया

82. सतसई दोहामयी, मिसण सूरजमाल
जंपै भड़खाणी जठै, सूणै कायरां साल ।।
इण ठौड़ "भड़खाणी" रो कांई अरथ है ?
(1) कलम
(2) तलवार
(3) पौथी
(4) ढाल

83. कविराज बांकीदास री मां रो नाम कांई है ?
(1) सूजा बाई
(2) माडू बाई
(3) हिन्दू बाई
(4) सोवन बाई



84. रामनाथ कविया री रचना 'द्रोपदी-विनय' जिण नाम सूं सम्बोधित करी जावै, वो है
(1) कविया-विनय
(2) करुणां बहत्तरी
(3) प्रेम-पांचाली
(4) द्रोपदी-दरसाव

85. पग-पग भम्या पहाड़, धरा छोड़ राख्यौ धरम
महाराणा'र मेवाड़, हिरदै बसिया हिंद रे ।।
इण दोहा रा लिखारा कुण है ?
(1) नाथूदान महियारिया
(2) केसरीसिंह बारहठ
(3) बांकीदास आशिया
(4) दुरसा आढ़ा

86. चतुरसिंह जी मेवाड़ नै योग सीखावणवाळा गुरु गुमानसिंह जी वां रै रिश्ता में कांई हां ?
(1) काका
(2) मामा
(3) नाना
(4) दादा

87. लोग, कैवे सूरज ऊगौ, पण गयौ कठै परकास
हाथ-हाथ नै खावण भागै, किणरी राखां आस ।।
कविता री अे ओळिया कुण लिखी ?
(1) उदयराज उज्ज्वल
(2) जयनारायण व्यास
(3) गणेशलाल व्यास 'उस्ताद'
(4) माणिक्यलाल वर्मा

88. क्रांतिकारी कवि शंकरदान सामौर रो जलम किण ठौड़ हुयौ ?
(1) मोकलसर
(2) बोबासर
(3) उदैसर
(4) मिरगासर

89. 'रमणिया रा सोरठा' रा रचनाकार कुण है ?
(1) रामनाथ कविया
(2) सांवर दइयां
(3) नारायणसिंह भाटी
(4) कन्हैयालाल सेठिया

**90.** प्रकृति-चित्रण री दीठ सूं 'लू' अर 'बादळी'रा रचनाकार कुण है ?
(1) चन्द्रसिंह
(2) मेघराज 'मुकुल'
(3) करणीदान बारहठ
(4) आईदानसिंह भाटी

**91.** सत्यप्रकाश जोशी मुम्बई सूं राजस्थानी भाषा री किण पत्रिका रो संपादन-प्रकासण करियौ ?
(1) लीलटांस
(2) अपरंच
(3) हरावळ
(4) मरूवाणी

**92.** महाकवि कालीदास री जगचावी रचना 'मेघदूत' रो राजस्थानी भाषा मांय अनुवाद कुण करियौ ?
(1) डॉ. नारायणसिंह भाटी
(2) डॉ. देव कोठारी
(3) डॉ. किरण नाहटा
(4) डॉ. सी.पी. देवल

**93.** राजस्थानी भाषा रो पैलों उपन्यास कुणसो मान्यौ जावै ?
(1) कनक-सुन्दर
(2) चम्पा
(3) आमै पटकी
(4) आंधी'र आस्था

**94.** कहाणी संग्रै 'अमर चूनड़ी' रा कहाणीकार है
(1) डॉ. मनोहर शर्मा
(2) नानूराम संस्कृता
(3) नृसिंह राजपुरोहित
(4) यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'

**95.** कथाकार विजयदान देथा रो कहाणी संग्रै है
(1) अलेखू-हिटलर
(2) सुहागण भागण
(3) प्रभातियौ तारो
(4) आंधै नै आंख्यां

**96.** राजस्थानी उपन्यास 'हूँ गौरी किण पीव री' रै नायिका रो नाम कांई है ?
(1) सूरजड़ी
(2) लाधूड़ी
(3) लिछूडी
(4) धापूड़ी

**97.** 'कै रे चकवा बात' राजस्थानी कहाणी-संग्रै रा रचनाकार कुण है ?
(1) मूळचन्द प्राणेश
(2) लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत
(3) मनोहरसिंह राठौड़
(4) बद्रीदान गाडण

**98.** डॉ. अर्जुन देव चारण री नाट्य-रचना 'धरमजुद्ध' री नायिका रो नाम कांई है ?
(1) सीता
(2) पदमा
(3) गौरी
(4) द्रोपदी

**99.** राजस्थानी निबन्धकार जहूर खां मेहर रो निबन्ध संग्रै है
(1) धर मझला धर कोसां
(2) रोहिड़ै रा फूल
(3) माणक-मोती
(4) तारां छाई रात

**100.** अेकांकी संग्रै 'सतरंगणी' अर 'पंचायतराज' रा सिरजणहार कुण है ?
(1) सूर्यकरण पारीक
(2) गणपतिचन्द्र भण्डारी
(3) गोविन्दलाल माथुर
(4) नागराज शर्मा

**101.** डॉ. नेमनारायण जोशी री पोथी 'ओळू री अखियातां' किण विद्या मांय लिख्यौड़ी है ?
(1) उपन्यास
(2) संस्मरण
(3) कहाणी
(4) नाटक

**102.** बसंत रितु में गाईजण वाळी रचनावां नै कांई कहयौ जावै ?

(1) धवळ

(2) फागु

(3) सलोका

(4) कुलक

**103.** गद्य-पद्य मिश्रित रचना नै कांई कहयौ जावै ?

(1) बालावबौध

(2) विगत

(3) वचनिका

(4) पट्टावली

**104.** किणी मूळ पाठ रै हाशिये माथै लिख्यौड़ो गद्य कहयौ जावै

(1) टीका

(2) टब्बा

(3) टीप्पण

(4) रूक्का

**105.** किणी व्यक्ति रै विसिष्ठ कारज रौ वरणन करणवाळी रचना कांई कहीजै ?

(1) चर्चरी

(2) ढाळिया

(3) पवाड़ा

(4) लावणी

**106.** कहाणी संग्रै 'नैणां खूटयौ नीर' रा सिरजणहार कुण है ?

(1) बैजनाथ पंवार

(2) मुरलीधर व्यास

(3) दीनदयाल ओझा

(4) नानूराम संस्कृता



**107.** प. सूर्यकरण पारीक रो लिख्यौड़ो नाटक कुणसो है ?

(1) ढळती फिरती छाया

(2) पाणी पैलां पाळ

(3) बोळावण

(4) मुगती गाथा

**108.** राजस्थानी उपन्यास 'कनक-सुन्दर' रै नायक रो नाम कांई है ?

(1) कनक राम

(2) कनक लाल

(3) सुन्दर पाल

(4) सुन्दर लाल

**109.** 'साखी' रो अरथ है

(1) रागा रो शास्त्रीय सरूप

(2) वरणमाला मूलक काव्य-रूप

(3) संता री पद्यबद्ध रचना

(4) संख्या मूलक रचना

**110.** प्राचीन राजस्थानी री जिण गद्य शैली नै 'सपाट बयानी' कैय'र संबोधित करयौ जावै, वां है

(1) विगत

(2) बालावबौध

(3) गुर्वावली

(4) दवावैत

**111.** साहित्यशास्त्र री दीठ सूं किस्यां तत्व नै काव्य री आत्मा मान्यौ जावै ?

(1) भाव

(2) कल्पना

(3) बुद्धि

(4) शैली

**112.** रस सिद्धान्त रा प्रवर्तक किणनै मान्या जावै ?

(1) आचार्य शंकुक

(2) आचार्य भट्ट लोल्लट

(3) आचार्य भरत मुनि

(4) आचार्य अभिनवगुप्त

**113.** ध्वनि सिद्धांत रौ सैं सूं जूनौ ग्रंथ 'ध्वन्यांलोक' रा रचनाकार कुण है ?

(1) प. रामदहिन मिश्र

(2) आनन्दवर्धन

(3) आचार्य कुंतक

(4) आचार्य वामन्

**114.** राजस्थानी मुहावरां – 'चांदी रा जूत लागणा' रो कांई अरथ हुवै ?

(1) जूत मारणा

(2) जूत खावणा

(3) आरथिक नुकसाण

(4) आरथिक लाभ

**115.** राजस्थानी कहावत – 'गुड़ खावै अर गुलगुलां सूं परेज' रो कांई अरथ हुवै ?

(1) दोगलो मिनख

(2) होसियार मिनख

(3) कंजूस मिनख

(4) चटोकड़ो मिनख

**116.** राजस्थानी पड़ नाट्य में पाबूजी रा पवाड़ा गावतां समै भोपो किण वाद्य यंत्र रौ परयोग करै ?

(1) खंजरी

(2) पूंगी

(3) रावणहत्था

(4) भूंगळ

**117.** राजस्थानी लोक-साहित्य री सैं सूं जूनी लोकगाथा कुणसी है ?

(1) बगड़ावतां री लोकगाथा

(2) निहालदे-सुलतान री लोकगाथा

(3) गलालेंग री लोकगाथा

(4) डूंगजी-जवारजी री लोकगाथा

**118.** लोक कला – 'सांझी' रो चित्रण कद करियौ जावै ?

(1) श्राद्धपख

(2) नवरात्रि

(3) होळी

(4) दिवाळी

**119.** राजस्थान रो लोक देवता मेहाजी अर हड़बूजी रै बिचाळै कांई रिश्तौ है ?

(1) भाई-भाई

(2) बाप-बेटा

(3) काका-भतीज

(4) मामा-भाणजा

**120.** भील समाज री आराध्यदेवी पार्वती नै लोकभाषा में कांई कहयौ जावै ?

(1) आमजा देवी

(2) स्यामजा देवी

(3) हिंगलाज देवी

(4) सिंगलाज देवी

**121.** शिक्षक जद पढ़ावा रौ काम करै उण समै मनोविज्ञान विषय रै अन्तर्गत किण बातां रौ ध्यान राखणौ चाहिजे ?

(1) छात्रां री क्षमतावां रौ

(2) छात्रां री संख्या रौ

(3) छात्रां री मानसिक शक्तियां रौ

(4) छात्रां रै सामाजिक परिवेश रौ

**122.** अधिगम रै प्रयत्न अर भूल सिद्धान्त रा प्रतिपादक है

(1) कोहलर

(2) थॉर्नडाइक

(3) स्कीनर

(4) एच.एल. हल

**123.** शिक्षण रै मांय प्रधान अथवा प्राथमिक चर हुवै

(1) बालक

(2) पाठ्यक्रम

(3) शिक्षक

(4) विद्यालय

**124.** स्तर रै आधार पै शिक्षण रौ प्रकार है

(1) विवरणात्मक

(2) उपचारात्मक

(3) प्रदर्शन

(4) चिन्तन रौ स्तर

**125.** अधिगमकर्ता रौ विकास, किशोर अधिगमकर्ता रै मांय संवेगों नै आधार मानता थकां मेण्डूगल कितरी मूल प्रवृत्तियां बताई हैं ?

(1) 14

(2) 15

(3) 16

(4) 18

**126.** किशोरावस्था रै मांय संज्ञानात्मक विकास रौ जनक इणां मांय सूं किणनै मान्यौ है ?

(1) हण्ट

(2) हर्बर्ट स्पेन्सर

(3) जीन पियाजे

(4) वाटसन

**127.** किण अवस्था रै मांय बालक मूर्तवस्तुओं रै आधार पै बणाया गया प्रत्ययां सूं अमूर्तवस्तु रै बारां में प्रत्यय निर्माण करना सीखता है ?

(1) मूर्त संक्रियाकाल री अवस्था में

(2) संवेगी गामक री अवस्था में

(3) पूर्व संक्रिया काल री अवस्था में

(4) अमूर्त संक्रिया काल अवस्था में

**128.** 'संवेग व्यक्ति री उत्तेजित दशा है ।' यो कथन है

(1) हल रौ

(2) वुडवर्थ रौ

(3) क्रो एण्ड क्रो रौ

(4) डेविस रौ

**129.** 'नूंवी पैदाव्ही परिस्थितियां है मांय अपने आपमें अनुकूलित करणौ ही अधिगम है ।' ओ कथन किण रौ है ?

(1) गेट्स

(2) जे.पी. गिलफोर्ड

(3) मफी

(4) एच.इ. हिलगार्ड

**130.** पैला रा अनुभवां नै आधार मान थोड़ौ नयो सीखणौ कणी प्रकार रौ अधिगम है ?

(1) प्रत्यात्मक

(2) प्रत्यक्षात्मक

(3) सहचर्यात्मक

(4) भावात्मक

**131.** अधिगम रौ खास नियम है

(1) बहु प्रतिक्रिया रौ नियम

(2) तत्परता रौ नियम

(3) आंशिक क्रिया रौ नियम

(4) मनोवृति रौ नियम

**132.** शास्त्रीय अनुबंध रै सिद्धान्त रा प्रतिपादक है

(1) आई.वी. पावलव

(2) स्कीनर

(3) थॉर्नडाइक

(4) मोरीसन

**133.** शास्त्रीय अनुबंध रै सिद्धान्त री शिक्षा में उपयोगिता है

(1) अध्यापन कार्य में

(2) मानसिक रोगों नै दूर करबा में

(3) खेल-कूद में

(4) नाट्य अर अभिनय क्रिया में

**134.** सीखने रौ अन्तर्दृष्टि सिद्धान्त बतायौ है

(1) बी.एफ. स्कीनर द्वारा

(2) अलबर्ट बाण्डूरा द्वारा

(3) जे.पी. गिलफोर्ड द्वारा

(4) मेक्स वदमीर अर कोहलर द्वारा

**135.** थॉर्नडाइक रै अधिगम सिद्धान्त रौ शैक्षणिक महत्व किण मांय है ?

(1) खेलकूद री प्रतियोगितावां रै मांय

(2) आदत निर्माण री प्रक्रिया रै मांय

(3) अभ्यास अर पुनरावृति रै मांय

(4) कला शिक्षण रै मांय

**136.** "मानसिक स्वास्थ्य रौ अरथ है वास्तविकतावां सूं पर्याप्त सामंजस्य थापित करणै री योग्यता" ओ कथन है

(1) हेडफील्ड रौ

(2) लैडेल रौ

(3) कुप्पू स्वामी रौ

(4) शेफर रौ

**137.** शिक्षक रै मानसिक स्वास्थ्य पै बाधा नाकवावालौ खास कारक है

(1) मनोरंजन रौ अभाव

(2) शिक्षक सामग्री रौ अभाव

(3) अपरिपक्व बुद्धि रै बालकां सूं सम्पर्क

(4) कामकाज रौ ज्यादा भार

**138.** सम्प्रेषण रा कितरा प्रकार मान्या गया है ?

(1) तीन प्रकार

(2) दो प्रकार

(3) चार प्रकार

(4) पांच प्रकार

**139.** 'सम्प्रेषण एक गत्यात्मक प्रक्रिया है, जिणमें एक व्यक्ति चैतन्यता अथवा अचैतन्यता दूसरा व्यक्ति रै संज्ञानात्मक ढांचा रै मांय परिवर्तन करता है,' ओ कथन है

(1) लिगन्स रौ

(2) एडगर डेल रौ

(3) फण्डर्सन रौ

(4) डेविस रौ

**140.** आई.के. डेविस रै अनुसार शिक्षण अधिगम री व्यवस्था इणा मांय सूं किण रै मांय हुवै ?

(1) उद्देश्या रै आयोजन सूं आधारित

(2) अध्यापन कार्य आधारित

(3) छात्र अंत:क्रिया आधारित

(4) सहायक सामग्री आधारित

**141.** शिक्षक री मानसिक तैयारी री अवस्था कही जावै

(1) अन्त क्रियाशील अवस्था

(2) पश्च क्रियाशील अवस्था

(3) पूर्व क्रियाशील अवस्था

(4) पुनर्बलन

**142.** वैज्ञानिक पृच्छा प्रतिमान रा प्रतिपादक है

(1) जोसेफ जे. सकबाब

(2) रिचर्ड सचमेन

(3) डेविस आसुबेल

(4) वाटसन

**143.** बालकां रै मांय पारस्परिक सम्बन्धां पै विचार करणौ, आत्मबोध, आत्ममंथन, आत्मचिन्तन नै स्वाध्याय रौ विकास करणौं किण प्रतिमान रौ खास उद्देश्य है ?

(1) अग्रिम संगठन प्रतिमान

(2) जीव विज्ञान पृच्छा प्रतिमान

(3) सहकारी पृच्छा प्रतिमान

(4) वैज्ञानिक पृच्छा प्रतिमान

**144.** शिक्षण प्रतिमान रै किण तत्त्व रै मांय शिक्षक छात्र अन्त:सम्बन्ध रौ शिक्षण अधिगम वातावरण में लागू करणै सूं शैक्षिक उद्देश्यां री प्राप्ति संभव व्हेई सकै –

(1) संरचना में

(2) शिक्षण उद्देश्यों में

(3) मूल्यांकन में

(4) सामाजिक प्रणाली में

**145.** चिन्तन स्तर उपागम किण पै केन्द्रित हुवै ?

(1) छात्र केन्द्रित

(2) शिक्षक केन्द्रित

(3) विद्यालय केन्द्रित

(4) समाज केन्द्रित

**146.** बुद्धि रै द्विकारक सिद्धान्त रौ प्रतिपादन कुण कर्‌यौ ?

(1) विने

(2) स्पियरमेन

(3) रॉस

(4) टरमन

**147.** जद किणी नई सूचना री आवश्यकता होवै तद् अभ्यास रै वास्ते अवसर उपलब्ध करावै, उणनै केवै

(1) ट्यूटोरियल

(2) ड्रिल अर प्रेक्टिस

(3) अनुकरण

(4) खोज

**148.** हार्डवेयर तकनीक रै मांय सम्मिलित होवै, उण रौ नांम है

(1) श्यामपट्ट

(2) ग्राफिक्स

(3) प्रोजेक्टर

(4) चार्ट

**149.** 'सूचना सूं आशय उण विस्तृत ज्ञान व्यवस्था सूं है जो मानव कल्याण रै वास्ते हर विषय पै, हर व्यक्ति नै हरेक जग्या उपलब्ध व्है' ओ कथन किण रौ है ?

(1) टी.पी. नन रौ

(2) एम.पी. मुफात रौ

(3) प्रो. एस.के. दुबे रौ

(4) डॉ. ए. बरौलिया रौ

**150.** कठोर शिल्प अर कोमल शिल्प दोन्यूं उपागमों ने जोड़वा रा काम करै उण व्यवस्था नै केवै

(1) सिस्टम एप्रोच

(2) हार्डवेअर एप्रोच

(3) सोफ्टवेअर एप्रोच

(4) हार्डवेअर अर सॉफ्टवेअर एप्रोच

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK